



जीडीपी का अनंतिम अनुमान : भारत तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्था बना रहेगा

चर्चा में क्यों?

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (Ministry of Statistics and Programme Implementation) के केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (Central Statistics Office -CSO) ने वित्त वर्ष 2017-18 की चौथी तमिही (जनवरी-मार्च) के लिये सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product - GDP) के अनुमान जारी किये। इसके साथ-साथ वित्त वर्ष 2017-18 के लिये राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान (Provisional estimates - PE) भी जारी किये गए हैं।

- हाल ही में अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज़ इन्वेस्टर्स सर्विस ने भी चालू वित्त वर्ष के लिये भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अपने अनुमान जारी किये। इन अनुमानों में जीडीपी दर को 7.5 से घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया गया है।
- मूडीज़ के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था में क्रमिक सुधार हो रहा है लेकिन तेल की बढ़ती कीमतों और मुश्किल वित्तीय हालात सुधार की रफ्तार को धीमा करेंगी।

चौथी तमिही 2017-18 के संबंध में अनुमान

- वित्त वर्ष 2017-18 की चौथी तमिही में वर्ष 2011-12 के मूल्यों पर जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत आँकी गई है, जबकि वित्त वर्ष 2017-18 की प्रथम तीन तमिहियों यथा पहली, दूसरी और तीसरी में जीडीपी वृद्धि दर क्रमशः 5.6, 6.3 तथा 7.0 प्रतिशत रही थी।
- जीडीपी वृद्धि दर के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन में कृषि (4.5 प्रतिशत), वननिर्माण (9.1 प्रतिशत) और निर्माण (11.5 प्रतिशत) क्षेत्र का उल्लेखनीय योगदान है।
- क्षेत्रवार स्तर पर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों, उद्योग और सेवा क्षेत्रों के लिये स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीवीए (Gross Value Added) वृद्धि दर क्रमशः 4.5, 8.8 और 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।
- पूँजीगत सामान की 9.0 प्रतिशत की वृद्धि दर की बंदोबस्त स्थिति मूल्यों पर सकल स्थायी पूँजी निर्माण की वृद्धि दर चौथी तमिही में बढ़कर 14.4 प्रतिशत हो गई, जबकि पहली, दूसरी और तीसरी तमिहियों में यह वृद्धि दर क्रमशः 0.8, 6.1 तथा 9.1 प्रतिशत थी।

2017-18 के लिये जीडीपी के अनंतिम अनुमान

- राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2017-18 के लिये स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीडीपी वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।
- वित्त वर्ष 2017-18 में क्षेत्रवार स्तर पर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों, उद्योग और सेवा क्षेत्रों के लिये स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीवीए वृद्धि दर क्रमशः 3.4, 5.5 और 7.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

2017-18 के लिये वार्षिक राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने स्थिर (2011-12) और वर्तमान मूल्यों दोनों पर ही वित्त वर्ष 2017-18 के लिये राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान जारी किये हैं।

- स्थिर (2011-12) और वर्तमान मूल्यों पर वित्त वर्ष 2017-18 के साथ-साथ वित्त वर्ष 2017-18 की पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी तमिही की जीडीपी वृद्धि दरों का उल्लेख नमिनलखिति चार्ट के माध्यम से किया गया है:

| जीडीपी वृद्धि दरें | स्थिर मूल्य (2011-12) | वर्तमान मूल्य |
|-------------------------------------|-----------------------|---------------|
| वार्षिक 2017-18 | 6.7 | 10.0 |
| पहली तमिही, 2017-18 (अप्रैल-जून) | 5.6 | 8.3 |
| दूसरी तमिही, 2017-18 (जुलाई-सितंबर) | 6.3 | 9.5 |

| | | |
|---------------------------------------|-----|------|
| तीसरी तमिही, 2017-18 (अक्तूबर-दिसंबर) | 7.0 | 11.0 |
| चौथी तमिही, 2017-18 (जनवरी-मार्च) | 7.7 | 10.9 |

- वर्ष 2017-18 के लिये राष्ट्रीय आय के दूसरे अग्रिम अनुमान 28 फरवरी, 2018 को जारी किये गए थे।
- कृषि उत्पादन एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के नवीनतम अनुमानों और महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे- रेलवे, परिवहन (रेलवे को छोड़कर), संचार, बैंकिंग तथा बीमा के प्रदर्शन और सरकारी व्यय को शामिल करते हुए इन अनुमानों को अब संशोधित करके प्रस्तुत किया गया है।

स्थिति (2011-12) मूल्यों पर अनुमान

सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product)

- वर्ष 2017-18 में स्थिति (2011-12) मूल्यों पर वास्तविक जीडीपी अथवा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बढ़कर 130.11 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वर्ष 2016-17 के लिये प्रथम संशोधित अनुमानों में यह 121.96 लाख करोड़ रुपए आँका गया था। यह 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।

बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वृद्धि (Gross Value Added (GVA) at Basic Prices)

- वर्ष 2017-18 में बुनियादी स्थिति मूल्यों (2011-12) पर वास्तविक जीवीए अर्थात जीवीए के बढ़कर 119.76 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान लगाया गया है, जो वर्ष 2016-17 के प्रथम संशोधित अनुमानों में 112.48 लाख करोड़ रुपए था। यह 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।
- जनि क्षेत्रों ने 7.0 फीसदी से ज़्यादा की वृद्धि दर दर्ज की है उनमें लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएँ (10.0 प्रतिशत), व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से जुड़ी सेवाएँ (8.0 प्रतिशत) और वदियुत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएँ (7.2 प्रतिशत) शामिल हैं।
- कृषि, वानिकी एवं मत्स्य पालन, खनन एवं उत्खनन, वनरिमाण, नरिमाण और वित्तीय, अचल संपत्ति एवं प्रोफेशनल सेवाओं की वृद्धि दर क्रमशः 3.4, 2.9, 5.7, 5.7 और 6.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है।

सकल राष्ट्रीय आय (Gross National Income - GNI)

- वर्ष 2017-18 के दौरान वर्ष 2011-12 के मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय आय (GNI) 128.64 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि पिछले वर्ष के दौरान यह अनुमानित राशि 120.52 लाख करोड़ रुपए थी।
- वृद्धि दरों की दृष्टि से वर्ष 2017-18 के दौरान सकल राष्ट्रीय आय में 6.7 फीसदी की वृद्धि होने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वर्ष 2016-17 के दौरान वृद्धि दर 7.1 फीसदी थी।

प्रतिव्यक्ति आय

- वर्ष 2017-18 के दौरान सही अर्थों में (2011-12 के मूल्यों पर) प्रतिव्यक्ति आय के बढ़कर 86,668 रुपये के स्तर पर पहुँच जाने की संभावना है, जो वर्ष 2016-17 में 82229 रुपए थी।
- वर्ष 2017-18 के दौरान प्रतिव्यक्ति आय की वृद्धि दर 5.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले वर्ष 5.7 फीसदी थी।

वर्तमान मूल्यों पर अनुमान

सकल घरेलू उत्पाद

- वर्ष 2017-18 में वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के बढ़कर 167.73 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुँच जाने का अनुमान है, जो वर्ष 2016-17 में 152.54 लाख करोड़ रुपए आँकी गई थी। यह 10.0 फीसदी की वृद्धि दर दर्शाती है।
- वर्तमान मूल्यों पर जनि क्षेत्रों (सेक्टर) ने 9 फीसदी एवं उससे ज़्यादा की वृद्धि दर दर्ज की है उनमें खनन एवं उत्खनन, व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण संबंधी सेवाएँ, वित्तीय, अचल संपत्ति एवं प्रोफेशनल सेवाएँ और लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएँ शामिल हैं।

राष्ट्रीय आय

- वर्ष 2017-18 के दौरान वर्तमान मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) 165.87 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो वर्ष 2016-17 में 150.77 लाख करोड़ रुपए थी। यह 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

प्रतिव्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय

- वर्ष 2017-18 के दौरान वर्तमान मूल्यों पर प्रतिव्यक्ति आय के बढ़कर 112835 रुपए के स्तर पर पहुँच जाने का अनुमान है, जो वर्ष 2016-17 में अनुमानित 103870 रुपए थी। यह 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

चौथी तमिही के जीडीपी अनुमान विकास की तेज गतिका प्रतिबिंबि है : प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद

- प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष डॉ. बबिक देबरॉय के अनुसार, 2017-18 के लिये वार्षिक राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान के साथ-साथ राष्ट्रीय आय के चौथी तमिाही (जनवरी-मार्च 2018) के अनुमान इस तथ्य को प्रतबिबिति करते हैं कि देश में विकास की तेज़ गति अभी भी जारी है।
- श्री देबरॉय के अनुसार, अर्थव्यवस्था के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों (सेक्टर) में नरितर तेज़ गतिसे विकास जारी है।
- साहसिक ढाँचागत सुधारों को लागू करने की दशिया में सरकार द्वारा नरितर प्रयास जारी रखने की बढौलत ही जीडीपी वृद्धिदर के आँकड़े बेहतर हो पाए हैं।
- वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने, दवाला एवं दवालियापन संहतिा लागू करने, बैंकों को नई पूंजी उपलब्ध कराने, शत-प्रतशित ग्रामीण वदियुतीकरण, पुरातन कानूनों को नरिस्त करने, कारोबार में और ज़्यादा सुगमता सुनश्चिति करने जैसे कदमों ने विकास की तेज़ गति में उल्लेखनीय योगदान दया है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/gdp-data-today-india-set-to-remain-fastest-growing-economy>

